
मनसा सेवा - 13

➤➤ अमृतवेला

➤➤ _ ➤➤ नेमीनाथ मत बनो

→ नेमिनाथ :- खटिया छोड़ना पर नींद न छोड़ना

➤➤ _ ➤➤ अनुभवी मूरत बनो

→ स्वतः ही लगन बढ़ेगी

→ स्वतः ही योग आपको अपनी और आकर्षित करेगा

➤➤ _ ➤➤ उठने के बाद

→ स्वमान में टिकाइए स्वयं को

→ अपने कमरे से बहार निकल जाइये

➤➤ ज्ञान सुनाना / वाचा सेवा

➤➤ _ ➤➤ सबसे पहले स्व सेवा होती है

➤➤ _ ➤➤ स्वयं की सम्पूर्ण जागरण की अवस्था हो जाती है

➤➤ _ ➤➤ श्रेष्ठ विधि है स्वयं का उमंग उत्साह बढ़ाने की

➤➤ _ ➤➤ चेतना जागृत हो जाती है

➤➤ _ ➤➤ अपनी समस्याओं का समाधान मिलता है

➤➤ _ ➤➤ मनन शक्ति बढ़ जाती है

➤➤ किले को मज़बूत बनाओ

➤➤ _ ➤➤ यज्ञ का किला

→ कोई भी आत्मा यज्ञ से बहार न जाने पाए

➤➤ _ ➤➤ तीव्र पुरुषार्थ का किला

→ कोई भी आत्मा तीव्र पुरुषार्थी से कम पुरुषार्थी न बनने पाए

➤➤ _ ➤➤ पवित्रता का किला

→ मनसा में भी अपवित्रता का संकल्प न आये
